भारत ने जिम्बाब्वे को रौंदा

वैभव ने रचा इतिहास, मयंक की धमाकेदार वापसी

1-0 की बढ़त हासिल कर ली श्रृंखला में भारत ने

126 रन का टारगेट दिया था जिम्बाब्वे ने

हरारे, 23 जुलाई. हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम ने हर विभाग में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को सात विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली. यह मुकाबला युवा खिलाड़ियों के नाम रहा, जहां 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने अपनी बल्लेबाजी से दुनिया का ध्यान खींच लिया, जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव ने चोट के बाद दमदार वापसी का संकेत दिया.

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा. तेज गेंदबाज मयंक यादव ने वापसी मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजी क्रम को झटका दिया. इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल किए और मेजबान टीम को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन तक सीमित कर दिया. 126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद आक्रामक रही. सबसे अधिक चर्चा 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की रही, जिन्होंने निडर बल्लेबाजी करते हुए शानदार अर्धशतक जड़ा. इस पारी के साथ वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए. उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया. कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी संयमित बल्लेबाजी करते हुए पारी को संभाला और युवा खिलाड़ियों का भरपूर साथ दिया. भारत ने केवल तीन विकेट खोकर 13.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया, जिससे टीम का नेट रन रेट भी मजबूत हुआ. मुकाबले की सबसे बड़ी उपलब्धि भारत के युवा खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और निर्भीक प्रदर्शन रहा. वैभव सूर्यवंशी ने जहां विश्व रिकॉर्ड बनाकर अपने उज्ज्वल भविष्य की झलक दिखाई, वहीं मयंक यादव ने साबित कर दिया कि वह पूरी तरह फिट होकर वापसी कर चुके हैं. कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी यह जीत खास रही, क्योंकि बतौर कप्तान यह उनकी पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है.

जिम्बाब्वे में 22 भारतीय खिलाड़ियों का टी20 डेब्यू

नई दिल्ली. भारत और जिम्बाब्वे के बीच शुरू होने वाली टी20 सीरीज एक बार फिर युवा खिलाड़ियों के लिए खुद को साबित करने का बड़ा मंच बनने जा रही है. पिछले कई वर्षों में जिम्बाब्वे की धरती भारतीय क्रिकेट के लिए नई प्रतिभाओं की प्रयोगशाला साबित हुई है. यही कारण है कि इसे टीम इंडिया का 'डेब्यू सेंटर' भी कहा जाने लगा है. अब तक 22 भारतीय खिलाड़ियों ने जिम्बाब्वे में अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया है. किसी भी विदेशी देश में भारत की ओर से इतने खिलाड़ियों को पहली टी20 कैप मिलने का यह सबसे बड़ा रिकॉर्ड है. भारतीय टीम प्रबंधन अक्सर इस दौरे का इस्तेमाल युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव देने के लिए करता रहा है. इस परंपरा की शुरुआत 2010 में हुई, जब विराट कोहली, रविचंद्रन अश्विन, नमन ओझा और अमित मिश्रा ने जिम्बाब्वे में अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला. आगे चलकर विराट और अश्विन भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हुए और कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए.

आज से हॉकी इंडिया जूनियर महिला चैंपियनशिप

मैदान में उतरेंगी 12 टीमें

नई दिल्ली, 23 जुलाई. हॉकी इंडिया जूनियर महिला अकादमी चैंपियनशिप 2026 का चौथा संस्करण आज से मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुरू हो रहा है. अगले 11 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में देश की 12 शीर्ष जूनियर महिला हॉकी अकादमियां खिताब के लिए जोरदार मुकाबला करेंगी. प्रतियोगिता का फाइनल 3 अगस्त को खेला जाएगा.

टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सभी 12 टीमों को दो पूलों में विभाजित किया गया है. दोनों पूलों में छह-छह टीमें शामिल हैं और लीग चरण में हर टीम अपने पूल की बाकी सभी टीमों से मुकाबला करेगी. प्रत्येक पूल से शीर्ष दो टीमें 2 अगस्त को होने वाले सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि 3 अगस्त को तीसरे स्थान का मुकाबला और फाइनल खेला जाएगा.

पूल-ए में राजा करण हॉकी अकादमी, खालसा हॉकी अकादमी, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात हॉकी अकादमी, हॉकी फैमिली बढ़खालसा एनसीआर हॉकी सोसाइटी, तमिलनाडु हॉकी अकादमी और प्रीतम सिवाच हॉकी अकादमी शामिल हैं. वहीं पूल-बी में रितु रानी हॉकी अकादमी, वडीपट्टी राजा हॉकी अकादमी, भाई बहलो हॉकी अकादमी भगता, मुंबई स्कूल्स स्पोर्ट्स एसोसिएशन, अड्यार हॉकी अकादमी और मेजबान मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी की टीमें चुनौती पेश करेंगी. टूर्नामेंट के लीग चरण में जीत पर तीन अंक, ड्रॉ पर एक अंक और हार पर कोई अंक नहीं मिलेगा.

> नॉकआउट और वर्गीकरण मुकाबलों में यदि निर्धारित समय तक स्कोर बराबर रहता है, तो विजेता का फैसला एफआईएच नियमों के अनुसार शूटआउट से किया जाएगा. हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की का कहना है कि यह चैंपियनशिप महिला हॉकी के ग्रासरूट विकास के लिए एक मजबूत मंच बन चुकी है. इससे युवा खिलाड़ियों को देश की सर्वश्रेष्ठ अकादमियों के खिलाफ खेलने, प्रतिस्पर्धी माहौल में खुद को परखने और भविष्य के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है.

एक नजर में

वासुदेव प्रसाद का ऑस्ट्रेलिया ट्रेनिंग के लिए चयन

नई दिल्ली, 23 जुलाई. बिहार के युवा तेज गेंदबाज वासुदेव प्रसाद ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है. बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) ने घोषणा की है कि वासुदेव का चयन प्रतिष्ठित एमआरएफ पेस फाउंडेशन के ऑस्ट्रेलिया हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए किया गया है. यह अवसर देश के चुनिंदा प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को ही मिलता है और इसे भारतीय तेज गेंदबाजों के लिए सबसे प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में गिना जाता है. वासुदेव ने पूरे भारत में आयोजित कठिन चयन ट्रायल में हिस्सा लिया, जहां उनकी गेंदबाजी की गति, सटीक लाइन-लेंथ, निरंतरता और प्रदर्शन का गहन परीक्षण किया गया. इन सभी मानकों पर खरा उतरने के बाद उन्होंने इस विशेष कार्यक्रम में अपनी जगह बनाई.

कॉन्स्टास की ऑस्ट्रेलिया सीए एलेवन में वापसी

सिडनी, 23 जुलाई. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच के लिए 14 सदस्यीय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया इलेवन की घोषणा की है. यह मुकाबला 13 अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले डार्विन में खेला जाएगा और दोनों टीमों के लिए अहम वॉर्म-अप मैच साबित होगा. चयनकर्ताओं ने इस टीम में युवा सलामी बल्लेबाज सैम कॉन्स्टास और कैंपबेल केलावे को शामिल कर भविष्य की टेस्ट योजनाओं के स्पष्ट संकेत दिए हैं. दोनों खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया के संभावित टेस्ट ओपनर के रूप में देखा जा रहा है. 20 वर्षीय कॉन्स्टास पहले ही ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच टेस्ट मैच खेल चुके हैं. हालांकि हालिया कैरेबियाई दौरे के बाद वह राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं. पिछले शेफील्ड शील्ड सीजन में उन्होंने 660 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे.

2027 वर्ल्ड कप के लिए रवि शास्त्री की ड्रीम टीम तैयार

नई दिल्ली. पूर्व भारतीय कप्तान और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने 2027 वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए अपनी पसंदीदा 15 सदस्यीय भारतीय टीम का चयन किया है. इस टीम में उन्होंने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपने की वकालत की है, जबकि बल्लेबाजी की धुरी के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा कायम रखा है. हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भारत को 2-1 से मिली हार के बाद शास्त्री ने यह टीम चुनी.

पीवी सिंधु चाइना ओपन से हुईं बाहर

बीजिंग, 23 जुलाई. बीजिंग में खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ चाइना ओपन सुपर 1000 में भारत की उम्मीदों को उस समय बड़ा झटका लगा, जब दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु राउंड ऑफ-16 के मुकाबले में चीन की चेन यू फेई से हार गईं. लगभग एक घंटे से अधिक समय तक चले इस रोमांचक मुकाबले में चेन ने शानदार वापसी करते हुए 16-21, 22-20, 21-18 से जीत दर्ज की.

सिंधु ने मैच की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की और पहले गेम में अपने अनुभव का पूरा फायदा उठाते हुए 21-16 से जीत हासिल की.

पहले गेम में उनकी स्मैश, नेट प्ले और कोर्ट कवरेज प्रभावशाली रही, जिससे चेन यू फेई लगातार दबाव में नजर आईं. दूसरे गेम में भी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा. उन्होंने 20-16 की बढ़त हासिल कर ली थी और उनके पास लगातार चार मैच प्वाइंट थे. ऐसा लग रहा था कि भारतीय खिलाड़ी सीधे दो गेम में मुकाबला जीत लेंगी, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया. चेन यू फेई ने जबरदस्त मानसिक मजबूती दिखाते हुए लगातार छह अंक जीते और दूसरा गेम 22-20 से अपने नाम कर लिया.

स्पेन में खिलाड़ियों के सम्मान का अनोखा अंदाज, टमाटरों से किया अभिनंदन

मैड्रिड. स्पेन के विश्व कप विजेता फुटबॉलर फैबियन रुइज और गावी को उनके गृहनगर में एक बेहद अनोखे और दिलचस्प अंदाज में सम्मानित किया गया. दक्षिणी स्पेन के लॉस पलासिओस वाई विलाफ्रांका शहर में दोनों खिलाड़ियों को उनके वजन के बराबर टमाटर भेंट किए गए. यह परंपरा इस शहर की पहचान बन चुकी है और हर बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलता के बाद निभाई जाती है. दोनों खिलाड़ी मंगलवार को अपने गृहनगर पहुंचे, जहां टाउन हॉल में उनका जोरदार स्वागत किया गया.

फीफा की बेस्ट-11 से हैरी केन बाहर, स्पेन का रहा दबदबा

ज्यूरिख, 23 जुलाई। फीफा ने विश्व कप 2026 के समापन के बाद टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम यानी 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा कर दी है. इस टीम में कई बड़े सितारों को जगह मिली है, लेकिन कुछ फैसलों ने फुटबॉल जगत में बहस भी छेड़ दी है. सबसे ज्यादा चर्चा इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन के बाहर रहने और केप वर्डे के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा के चयन को लेकर हो रही है.

विश्व कप में छह गोल करने वाले हैरी केन शानदार फॉर्म में थे और गोल्डन बूट की दौड़ में भी शामिल रहे. इसके बावजूद फीफा की सर्वश्रेष्ठ एकादश में उन्हें जगह नहीं मिली. उनकी अनुपस्थिति को टूर्नामेंट का सबसे बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है. वहीं, 40 वर्षीय गोलकीपर वोजिन्हा ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया.

आईसीसी रैंकिंग में रोहित-कोहली की बादशाहत बरकरार

नई दिल्ली, 23 जुलाई. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा जारी ताजा वनडे खिलाड़ी रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है. भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष चार खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जबकि इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने दमदार प्रदर्शन के दम पर चार स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष-10 में वापसी कर ली है. इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 138 रन की शानदार पारी खेलने वाले रोहित शर्मा चौथे स्थान पर बरकरार हैं. वहीं विराट कोहली तीसरे स्थान पर बने हुए हैं.

अंडर-19 टीम ने श्रीलंका को दिखाया दम

भारत ने श्रीलंका को 211 रनों से हराया

कोलंबो, 23 जुलाई. रोहित यादव और चिगुरुपति वेंकटा (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय अंडर-19 टीम ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन गुरुवार को श्रीलंको 211 रनों से हरा दिया. श्रीलंका अंडर-19 टीम ने कल के चार विकेट पर 155 रनों से आगे खेलना शुरु किया. सुबह के सत्र में 176 रन के स्कोर पर श्रीलंका का पांचवां विकेट कप्तान विमत दिनसारा (64) रन के रूप में गिरा.

उन्हें प्रणव राघवेंद्र ने आउट किया. इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कविजा गमागे ने पारी को संभालने का प्रयास किया. इसी दौरान 60वें ओवर की पहली गेंद पर रोहित यादव ने दुलनित सिगेरा (15) का शिकार कर लिया. इसी ओवर की चौथी गेंद पर यादव ने जेसन फ़र्नांडो (शून्य) का भी शिकार कर लिया. 72 ओवर में कविजा गमागे (36) को पगबाधा आउटकर पवेलियन भेज दिया. 77वें ओवर की पांचवी गेंद पर जगनाथन हेमचुदेशन ने सेतमिका सेनेविरत्ने (42) रन को आउट कर श्रीलंका की दूसरी पारी का 260 रन के स्कोर पर अंत कर दिया. इसी के साथ भारत ने यह मुकाबला 211 रनों से अपने नाम कर लिया.

ग्लास्गो में मांडविया ने रखा भारत का खेल विजन

ग्लासगो, 23 जुलाई। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल मंत्रियों की बैठक में भारत ने वैश्विक खेल सहयोग को लेकर अपना व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कॉमनवेल्थ देशों के बीच खेल प्रशासन, खिलाड़ियों के कल्याण और संस्थागत क्षमता को मजबूत करने के लिए सदस्य-नेतृत्व वाले सहयोगी ढांचे की आवश्यकता है.

एक साथ काम करने की नई सोच: खेल पर कॉमनवेल्थ सहयोग को मजबूत करना' विषय पर अपने संबोधन में मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तय किया है, जिसमें खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है. उन्होंने बताया कि भारत अहमदाबाद में 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ खेलों और 13वीं कॉमनवेल्थ खेल मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है. उनका कहना था कि भारत का लक्ष्य सिर्फ सफल आयोजन करना नहीं, बल्कि कॉमनवेल्थ खेलों के लिए एक मजबूत और स्थायी संस्थागत विरासत तैयार करना भी है.

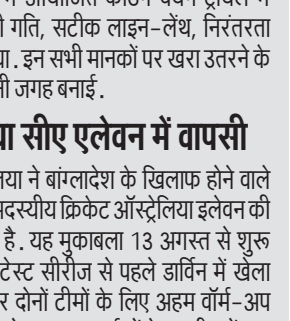

भारतीय बॉक्सिंग को उम्मीद, लवलीना को मिला बाई

भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोर्गोहेन को राष्ट्रमंडल खेल की महिला मुक्केबाजी में 75 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में बाई मिली है और उन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ पदक पक्का कर लिया है. लवलीना को सीधे क्वार्टरफाइनल में प्रवेश मिला था जहां उन्हें बाई मिल गयी है. उनका अब सेमीफाइनल में टीयूवी की ताफाकी टीकेबीपी से 31 जुलाई को मुकाबला होगा.

रिकॉर्ड | दिग्गजों के क्लब में शामिल होने से 16 रन दूर अभिषेक

टी20 : अभिषेक के निशाने पर 6,000 रन

नईदिल्ली, 23 जुलाई. भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेले जाने वाले पहले टी20 मुकाबले में युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के पास अपने करियर का एक अहम रिकॉर्ड बनाने का मौका होगा. बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज को टी20 क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने के लिए सिर्फ 16 रन की आवश्यकता है. यदि वह इस आंकड़े तक पहुंच जाते हैं, तो भारतीय क्रिकेट के एक खास क्लब में अपनी जगह बना लेंगे.

टी20 प्रारूप में अभिषेक शर्मा ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से अलग पहचान बनाई है. घरेलू क्रिकेट, फ्रेंचाइजी लीग और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने तेजी से रन बनाए हैं. यही वजह है कि वह अब 6,000 रन के महत्वपूर्ण मुकाम से महज 16 रन दूर खड़े हैं.

अभिषेक का नाम भारत के उन चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हो जाएगा, जिन्होंने टी20 क्रिकेट में 6,000 या उससे अधिक रन बनाए हैं. इस सूची में पहले से विराट कोहली, केएल राहुल और शुभमन गिल जैसे बड़े नाम शामिल हैं. इतनी कम उम्र में इस मुकाम तक पहुंचना अभिषेक की निरंतरता और प्रतिभा का बड़ा प्रमाण माना जाएगा. जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज भारतीय टीम के लिए नए खिलाड़ियों को मौका देने और भविष्य की तैयारियों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है. ऐसे में अभिषेक शर्मा पर टीम को तेज शुरुआत देने की जिम्मेदारी होगी.

ग्लास्गो में नीरज पर टिकी भारत की स्वर्णिम उम्मीद

ग्लास्गो, 23 जुलाई। कॉमनवेल्थ गेम्स का आगाज स्कॉटलैंड के ग्लासगो में हो चुका है और भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीदों में एक बार फिर नीरज चोपड़ा का नाम सबसे आगे है.

पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में ओलंपिक और विश्व चैंपियन रह चुके नीरज स्वर्ण पदक के सबसे मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं. भारतीय खेल प्रेमियों को उम्मीद है कि वह 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स की सफलता दोहराते हुए एक बार फिर देश को स्वर्ण दिलाएंगे.

हरियाणा के पानीपत जिले के खंडरा गांव से निकलकर विश्व एथलेटिक्स के शिखर तक पहुंचने वाले नीरज चोपड़ा ने अपनी मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रदर्शन से भारतीय खेलों को नई पहचान दिलाई है. वर्ष 2016 में विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में विश्व जूनियर रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था.